वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम.ए. हिंदी

(जून 2005-2006, 2006-2007 तथा 2007-2008 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

परिशिष्ट-3

भाग-1

प्रश्नपत्र -1

आधुनिक हिंदी काव्य (मुख्य तथा गौण-दोनों के लिए)

1.जयशंकर प्रसाद- ***कामायनी*** *(श्रद्धा, लज्जा एवम् काम सर्ग)*
2.सूर्यकांत त्रिपाठी निराला- ***राम की शक्ति पूजा*** *कविता*
3.सुमित्रानंदन पंत- ***परिवर्तन, सोनजुही, संध्या के बाद, मौन निमंत्रण*** *एवम्* ***अलमोड़े का वसंत*** *कविताएँ*
4.धर्मवीर भारती - ***कनुप्रिया*** *(प्रकाशक- भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली)*
5.स.ही.वात्स्यायन- अज्ञेय- ***असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, कलगी बाजरे की, सावन मेघ*** *और* ***सोन मछली*** *कविताएँ.*
6.ग.मा.मुक्तिबोध- ***अँधेरे में*** *कविता*
(क्रम 5 और 6 के लिए पाठ्यपुस्तक - ***अज्ञेय और मुक्तिबोध की प्रतिनिधि कविताएँ****-संपा.डॉ.शंभूनाथ त्रिपाठी, प्रकाशक -अनुराग प्रकाशन, चौक, वाराणसी-221 001)*
व्याख्यात्मक तथा आलोचनात्मक प्रश्न उपर्युक्त पाठ्यविषय में से पूछे जाएँगे।

अंक विभाजनः

3 आलोचनात्मक प्रश्न (42 अंक)
1 प्रश्न टिप्पणियों का (14 अंक)
1 ससंदर्भ व्याख्यात्मक (14 अंक)।

संदर्भ-पुस्तकें-

1.प्रसाद का काव्य-डॉ.प्रेमशंकर
2.कामायनी में काव्य,संस्कृति और दर्शन-डॉ.द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
3.धर्मवीर भारती से साक्षात्कार-संपा. पुष्पा भारती
4.धर्मवीर भारती की साहित्य-साधना-संपा. पुष्पा भारती
5.निराला और मुक्तिबोधः चार लम्बी कविताएँ-नंदकिशोर नवल
6.जटिल संवेदना के कवि मुक्तिबोध-डॉ.आलोक गुप्ता
7.मुक्तिबोध :ज्ञान और संवेदना-नंदकिशोर नवल
8.अज्ञेय का काव्य-एक पुनर्मूल्यांकन-शंभुनाथ चतुर्वेदी
9.अज्ञेय-एक अध्ययन-डॉ.भोलाभाई पटेल
10.निराला-डॉ.रामविलास शर्मा
11.कवि निराला-नंददुलारे वाजपेयी
12.नयी कविता के प्रतिमान-लक्ष्मीकांत वर्मा
13.मुक्तिबोध की कविताई- अशोक चक्रधर
14.अंधेरे में-एक विशलेषण-डॉ.विजयपाल सिंह

15.मुक्तिबोधःकविता व जीवन-बोध-चंद्रकांत देवताले
16.प्रसाद का काव्य-प्रेमशंकर
17.अन्तकरण का आयतन-दूधनाथ सिंह
18.मुक्तिबोधः एक अवधूत कविता-नरेश मेहता
19.जयशंकर प्रसाद-आ.नंददुलारे वाजपेयी
20.सुमित्रानंदन पंत-आनंद प्रकाश दीक्षित
21.पंत की काव्य-भाषा-डॉ.कांता पंत
22.अज्ञेयः कवि और काव्य-डॉ.राजेन्द्र प्रसाद
23.नई कविता-डॉ.देवराज
24.नई कविताः निराला, अज्ञेय और मुक्तिबोध-आलोचना-विद्या सिंहा
25.समकालीन हिंदी कविताः अज्ञेय और मुक्तिबोध के संदर्भ में-शशि शर्मा
26.मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब-चंचल चौहान
27.अंधेरे में : एक विश्लेषण-डॉ.विजयपाल सिंह

अथवा

प्रश्नपत्र - 1

छायावाद (मुख्य और गौण- दोनों के लिए)

1.प्रसाद- आँसू (प्रकाशक- राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
*2.निराला - **तुलसीदास** (प्रकाशक- राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)*
*3.पंत **-रश्मिबंध** (प्रकाशक- राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)*
*4.महादेवी - **नीरजा** (प्रकाशक- लोकभारती, इलाहाबाद)*
*5.माखनलाल चतुर्वेदी - **आज के लोकप्रिय हिंदी कवि***
(किन्तु..., अमर निशानी, मील का पत्थर, धीमे-धीमे, घर मेरा है, गीत की कोमल कड़ी, जवानी, कैदी और कोकिला, युग-पुरूष तथा विद्रोह कविताएँ)
*6.रामकुमार वर्मा - **आधुनिक कवि***
(मेरे इस जीवन मरू में, तू जीवन का अभिसार लिए, करुणा की आयी छाया, मेरे जीवन में एक बार, मैं भूल गया यह कठिन राह, जीवन की एक कहानी है, कहता है भारत तेरे गौरव की, नश्वर स्वर से कैसे गाऊँ, अरे निर्जन वन के निर्मल निर्झर तथा कवि मेरा सूखा-सा जीवन कविताएँ)
व्याख्यात्मक तथा आलोचनात्मक प्रश्न उपर्युक्त पाठ्यविषय में से पूछे जाएँगे।

अंक विभाजनः

3 आलोचनात्मक प्रश्न (42 अंक)
1 प्रश्न टिप्पणियों का (14 अंक)
1 ससंदर्भ व्याख्यात्मक (14 अंक)।

संदर्भ-पुस्तकें-

1. *छायावाद-डॉ.नामवर सिंह*
2. *निराला-डॉ.रामविलास शर्मा*
3. *निराला काव्य का अध्ययन-भगीरथ मिश्र*
4. *महादेवी-सृजन और शिल्प-डॉ.रणजीत सिंह*
5. *माखनलाल चतुर्वेदी-एक अध्ययन-श्री नर्मदाप्रसाद खरे*
6. *माखनलाल चर्तुर्वेदी-यात्रा पुरूष-सं.श्रीकांत जोशी*
7. *महीयसी महादेवी-गंगाप्रसाद पांडेय*

8. सुमित्रानंदन पंत-आनंद प्रकाश दीक्षित
9. पंत की काव्य-भाषा-डॉ.कांता पंत
10. डॉ.रामकुमार वर्मा अभिनंदन ग्रंथ-संपा.डॉ.जगदीश गुप्त
11. महादेवी (मूल्यांकन)-डॉ.परमानंद श्रीवास्तव
12. महादेवी का नया मूल्यांकन-डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
13. महादेवीःनया मूल्यांकन-डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
14. निराला-डॉ.इन्द्रनाथ मदान
15. जयशंकर प्रसाद-आ.नंददुलारे वाजपेयी

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम.ए. हिंदी

(जून 2005-2006, 2006-2007 तथा 2007-2008 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

परिशिष्ट-3

प्रश्नपत्र - 2
प्राचीन एवम् मध्यकालीन काव्य

*1.चंदबरदायी-**पद्मावती समय** (पृथ्वीराज रासो)*
***2.कबीर-वाणी**, संपा.डॉ.भगवत्स्वरूप मिश्र (1 से 100 साखियाँ एवम् 1 से 25 पद)*
प्रकाशक-विनोद पुस्तक मंदिर,आग्रा
*3.जायसी- **पद्मावत**, संपा.आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागमती विरह तथा सिंहल द्वीप खण्ड)*
*4.सूरदास- **भ्रमरगीत-सार**, संपा.आचार्य रामचंद्र शुक्ल (1 से 50 पद)*
*5.तुलसीदास- **विनयपत्रिका**-संपा.वियोगी हरि*
***6.घनानंद-कवित्त**, संपा. आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र (1 से 25 कवित्त)*
व्याख्यात्मक तथा आलोचनात्मक प्रश्न उपर्युक्त पाठ्यविषय में से पूछे जाएँगे।

अंक विभाजनः

3 आलोचनात्मक प्रश्न (42 अंक)
1 प्रश्न टिप्पणियों का (14 अंक)
1 ससंदर्भ व्याख्यात्मक (14 अंक)।

संदर्भ-पुस्तकें-

1.कबीर-डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी
2.चंदबरदाई और उनका काव्य-डॉ.बिपिनबिहारी त्रिवेदी
3.पृथ्वीराज रासो -भाषा और साहित्य-डॉ.नामवर सिंह
4.कबीर-संपा.विजयेन्द्र स्नातक
5.तुलसी-संपा. उदयभानु सिंह
6.तुलसी की साधना-आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र
7.गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
8.कबीर के आलोचक-डॉ.धर्मवीर
9.घनानंद और स्वच्छंद काव्य-धारा-डॉ.मनोहर गौड़
10.घनानंद का काव्य-डॉ.रामदेव शुक्ल
11.घनानंद का काव्य-शिल्प- डॉ.लखनपाल सिंह
12.हिंदी काव्य की निर्गुण धारा-डॉ.पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल
13.भ्रमरगीत सार-डॉ.हरिशरण शर्मा
14.सूर और उनका साहित्य-डॉ.हरवंशलाल शर्मा
15.सूरदास और भ्रमरगीत-डॉ.किशोरीलाल
16.हिंदी के प्राचीन कवि-डॉ.द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
17.सूर का भ्रमरगीत-एक अन्वेषण-विश्वंभरनाथ उपाध्याय
18.भारतीय प्रेमाख्यान काव्य-डॉ. हरिकांत श्रीवास्तव
19.हिंदी साहित्य का आदिकाल-डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी
20.हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल

21.महाकवि सूरदास-डॉ.नंददुलारे वाजपेयी
22.सूर साहित्य-डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी
23.रीति काव्य की भूमिका-डॉ.नगेन्द्र
24.हिंदी साहित्य का उत्तरमध्यकाल-रीतिकाल-डॉ.महेन्द्र कुमार
25.महाकवि जायसी और उनका काव्य-डॉ.इकबाल अहमद
26.जायसी-एक नई दृष्टि-डॉ.रघुवंश
27.विनयपत्रिका-संपा. डॉ.योगेन्द्र प्रताप सिंह
28.तुलसीदास कृत विनयपत्रिका और त्यागराज कीर्तन में भक्ति रस-डॉ.लीला ज्योति
29.कबीरः एक नई दृष्टि-डॉ.रघुवंश
30.पृथ्वीराज रासउ-संपा.डॉ.माताप्रसाद गुप्त
31.विनयपत्रिका और नये विधान का तुलनात्मक अध्ययन-फादर कामिल बुल्के

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम.ए. हिंदी

(जून 2005-2006, 2006-2007 तथा 2007-2008 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

परिशिष्ट-3

प्रश्नपत्र -3
काव्यशास्त्र एवम् साहित्यालोचन

(क)संस्कृत काव्य शास्त्र *-काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार।*

1.रस-सिद्धांत *-रस का स्वरूप, रस-निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।*

2.अलंकार -सिद्धांत-*मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।*

3.रीति-सिद्धांत *-रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवम् शैली, रीति-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।*

4.वक्रोक्ति -सिद्धांत *-वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवम् अभिव्यंजनावाद।*

5.ध्वनि -सिद्धांत *-ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्र काव्य।*

6.औचित्य -काव्य *-प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।*

(ख) पाश्चात्य काव्यशास्त्र -

1.प्लेटो *- काव्य-सिद्धांत।*

2.अरस्तू *- अनुकरण-सिद्धांत।*

3.लोंजाइनस *- उदात्त की अवधारणा।*

4.ड्राइडन *के काव्य - सिद्धांत।*

5.वड्ॅसवर्थ *-काव्य-भाषा का सिद्धांत।*

6.कॉलरिज *-कल्पना-सिद्धांत और ललित-कल्पना।*

7.मैथ्यू आर्नल्ड *-आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य।*

8.टी.एस.इलियट-*परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य.*

9.आई.ए.रिचड्ॅस *-रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।*

10.सिद्धांत और वाद *-आभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद तथा अस्तित्ववाद।*

11.आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ *-संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर - आधुनिकतावाद।*

(ग) हिंदी कवि -आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन *-लक्षण-काव्य-परंपरा एवम् कवि-शिक्षा।*

(घ) व्यावहारिक समीक्षा *-किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा।*

अंक-विभाजन-

2 आलोचनात्मक प्रश्न संस्कृत काव्यशास्त्र से (28 अंक)
1 आलोचनात्मक प्रश्न पाश्चात्य काव्यशास्त्र से (14 अंक)
1 आलोचनात्मक प्रश्न हिंदी काव्यशास्त्र से (14 अंक)
1 प्रश्न व्यावहारिक समीक्षा से (14 अंक)।

संदर्भ-पुस्तकें-

1.अरस्तू का काव्यशास्त्र-डॉ.नगेन्द्र
2.काव्य में उदात्त-तत्व-डॉ.महेन्द्र चतुर्वेदी
3.उदात्त के बारे में-डॉ.निर्मला जैन
4.समीक्षा लोक-भगीरथ दीक्षित
5.भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ.नगेन्द्र
6.अभिनव का रस विवेचन-नगीनदास पारेख
7.रस-सिद्धांत-डॉ.नगेन्द्र
8.पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा-डॉ. नगेन्द्र
9.भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा-डॉ.नगेन्द्र
10.पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ.भगीरथ मिश्र
11.साहित्य के प्रमुख पक्ष-डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी
12.मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना-डॉ.शशिभूषण पांडेय
13.पाश्चात्य साहित्य-चिंतन-संपा.निर्मला जैन,कुसुम बाँठिया
14.कार्ल मार्क्स-कला और साहित्य-चिंतन-संपा.डॉ.नामवर सिंह
15.भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्य सिद्धांत-डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
16.उत्तर आधुनिकता-सुधीश पचौरी
17.उत्तर आधुनिकता-कुछ विचार-संपा.देव शंकर नवीन तथा मिश्र
18.देरिदा का विखंडन और साहित्य-सुधीश पचौरी
19.हिंदी आलोचना का विकास-नंदकिशोर नवल
20.सौंदर्यशास्त्र के तत्व-डॉ.कुमार विमल
21.सौंदर्यशास्त्रीय समीक्षा-एस.टी.नरसिंहाचारी
22.शास्त्रवादी और स्वच्छंदतावादी साहित्यादर्श और समीक्षा-प्रणाली-पी.वासवदत्ता
23.उत्तर आधुनिकःसाहित्यिक विमर्श-सुधीश पचौरी

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम.ए. हिंदी

(जून 2005-2006, 2006-2007 तथा 2007-2008 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

परिशिष्ट-3

प्रश्नपत्र -4
प्रयोजनमूलक हिंदी (एन्टायर)

खण्ड क - कामकाजी हिंदी

1.हिंदी के विभिन्न रूप- सर्जनात्मक भाषा,संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।

2.कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य- प्रारूपण, पत्र-लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण।

3.पारिभाषिक शब्दावली- स्वरूप एवम् महत्व, पारिभाषिक शब्दावली- निर्माण के सिद्धांत।

4.ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली।

5.हिंदी कंप्यूटिंग- कंप्यूटर- परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र वेब पब्लिशिंग का परिचय।

6.इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख-रखाव एवम् इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र।

7.इंटरनेट एक्सप्लोइट अथवा नेटस्केप।

8.लिंक, ब्राउजिंग, ई-मेल भेजना-प्राप्त करना, हिंदी क् प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग,हिंदी सॉफ्टवेयर, पैकेज।

खण्ड ख - पत्रकारिता

1.पत्रकारिता- स्वरूप एवम् विभिन्न प्रकार

2.हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास

3.समाचार-लेखन-कला

4.संपादन के आधारभूत तत्व

5.व्यावहारिक प्रूफ शोधन

6.शीर्षक की संरचना, लीड, इंट्रो एवम् शीर्षक-संपादन

7.संपादकीय-लेखन

8.पृष्ठ-सज्जा

9.साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवम् प्रेस-प्रबंधन

10.प्रमुख प्रेस कानून एवम् आचार संहिता

खण्ड ग - मीडिया लेखन

1.जनसंचार- प्रौद्योगिकी एवम् चुनौतियाँ।

2.विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप-मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य इंटरनेट।

3.श्रव्य माध्यम (रेडियो) मौखिक भाषा का प्रकृति, समाचार-लेखन एवम् वाचन, रेडियो नाटक। उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन-लेखन,फीचर तथा रिपोर्ताज।

4.दृश्य-श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविज़न एवम् वीडियो)।

दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवम् श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वायस ओवर)।

पटकथा-लेखन, टेली-ड्रामा-डॉक्यू ड्रामा, संवाद-लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण,विज्ञापन की भाषा।

5.इंटरनेट- सामग्री सृजन.

खण्ड घ - अनुवाद - सिद्धांत एवम् व्यवहार

1.अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवम् प्रविधि।
2.हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3.कार्यालयी हिंदी और अनुवाद।
4.व्यावहारिक-अनुवाद-अभ्यास -गुजराती या अंग्रेजी से हिंदी में।
5.कार्यालयी अनुवाद - कार्यालयी एवम् प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग।
6.पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों,प्रतिवेदनों के अनुवाद।
7.सारानुवाद

अंक-विभाजन

4 आलोचनात्मक प्रश्न -56 अंक (प्रत्येक खण्ड से एक-एक)
1 प्रश्न अनुवाद या प्रशासनिक शब्द पर आधारित (14 अंक)।

संदर्भ-पुस्तकें-

1.प्रशासनिक एवम् कार्यालयी हिंदी-डॉ.रामप्रकाश एवम् डॉ.दिनेशकुमार
2.कार्यालयीय हिंदी-डॉ,विजयपाल सिंह
3.कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा
4.कंप्यूटर और हिंदी-डॉ.हरिमोहन
5.राजभाषा का स्वरूप-कैलाशचंद्र भाटिया
6.राजभाषा हिंदी- कैलाशचंद्र भाटिया
7.बेसिक प्रोग्रामिंग-ओमप्रकाश मौर्य
8.कंप्यूटर-डॉ.सी.एल.गर्ग
9.आधुनिक जन संचार और हिंदी-डॉ.हरिमोहन
10.संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन
11.पत्रकारिता-सिद्धांत और व्यवहार-इंद्र चंद्र रजवार
12.हिंदी पत्रकारिता-सिद्धांत और स्वरूप-सविता चड्ढा
13.नई पत्रकारिता और समाचार-लेखन-सविता चड्ढा
14.संपादन-कला-डॉ.हरिमोहन
15.रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन
16.आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया
17.समाचार फीचर लेखन एवम् संपादन कला--डॉ.हरिमोहन
18.ब्रेक के बाद-सुधीश पचौरी
19.पटकथा-लेखन-एक परिचय-मनोहर श्याम जोशी
20.व्यावहारिक अनुवाद-डॉ.एन.ई.विश्वनाथ ऐयर
21.अनुवाद-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी
22.अनुवाद-बोध-डॉ.गार्गी गुप्त
23.अनुवाद-प्रक्रिया-डॉ.रीतारानी पालीवाल
24.पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ-डॉ.भोलानाथ तिवारी
25.दूरदर्शन की भूमिका-सुधीश पचौरी
26.टी.वी.टाइम्स-सुधीश पचौरी
27.जनसंचार-विविध आयाम-ब्रजमोहन गुप्त
28.मीडिया और साहित्य-सुधीश पचौरी

****